चेहरे पर मुस्कान ज़रूरी है यारो

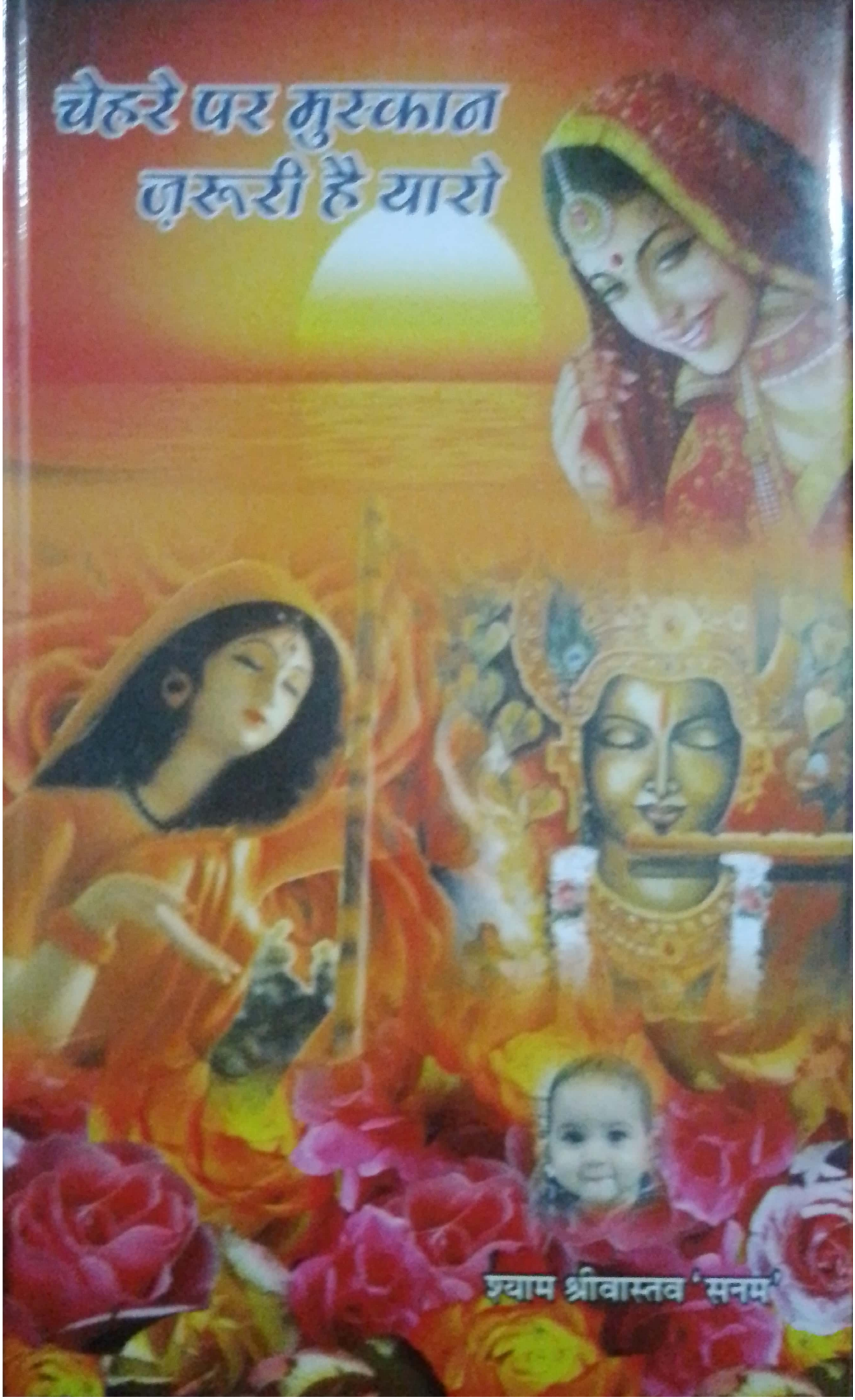

श्याम श्रीवास्तव 'सनम'

Scanned with OKEN Scanner

चेहरे पर मुस्कान ज़रूरी है यारो

(काव्य संग्रह)

- प्रथम संस्करण : नवम्बर, 2019
- प्रकाशन : 17 नवम्बर, 2019

- सर्वाधिकार © श्याम श्रीवास्तव 'सनम'

- कृतिकार :
  श्याम श्रीवास्तव 'सनम'
- प्रकाशक :
  श्री रामसेवक बुन्देली साहित्य एवं संस्कृति परिषद,
  डबरा, ग्वालियर (म.प्र.)
  email : srsbsasp@gmail.com
- मूल्य : 200/- रुपए
- लेआउट -डिजाइनिंग :
  मनोज सक्सेना : शिवानी कम्प्यूटर ग्राफिक्स, ग्वालियर
  मो. 09826480017
- मुद्रक :
  जनता ऑफसेट प्रिन्टर्स, शिन्दे की छावनी, लश्कर, ग्वालियर
  मो. 08103507584, 09229247765
- पुस्तक प्राप्ति स्थल :
  इंजी. अमन श्रीवास्तव, इंजी. शिवांगी श्रीवास्तव, श्याम बिहार कॉलोनी, रॉयल कॉलेज कैम्पस, अवध ग्रीन गार्डन के पीछे, ग्वालियर रोड, डबरा, जिला ग्वालियर पिन 475 110, मोबा. 8109453231
  email : amanshrivastava2696@gmail.com

चेहरे पर मुस्कान ज़रूरी है यारो

CHEHRE PAR MUSKAN JARURI HAI YARO

कृतिकार -श्याम श्रीवास्तव 'सनम'

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

गीत		1-69
	करवट बदल के रात काटते रहे पिता	2
	न पनपे आतंकवाद यहाँ	4
	विश्व को लगने लगा अब भारत प्यारा	5
	टूटती हैं चूड़िया अरमान टूटते हैं	7
	सुबहा आती लिए आरती	8
	जय हिन्द वन्देमातरम	10
	मोक्ष का यही ठिकाना है	11
	काँटों के भी बीच में	13
	बुनते जाल कहाँ अपराधी	14
	विदेशी हवा में	15
	उनको सौंपो सनम तिरंगा	16
	जल ही जीवन है	18
	कर्णधार है बने देश के	19
	माया के चक्कर में	20
	अच्छे दिन आने वाले हैं	21
	क्या खिल पायेगा	23
	तब हमने बाजी मारी	24
	कहते हैं होली की भोर	25
	जन जन की पीड़ा को	27
	युग युग से	28
	जीवन में खुशहाली लाये	30
	जिस रंग में रंग जाये मनवा	31
	भारत की पहचान	33
	उनकी यादों को	34
	खिल उठेगें फिर चमन कश्मीर में	35
	करी न परवाह जान की	36
	सपने संजाये बैठी हूँ	37

Scanned with OKEN Scanner

निर्धन मेरे मात-पिता 38
प्रीत लगा मर गई मैं 39
कौन चाहता तुझको खोना 40
फंसी भंवर में मेरी नैया 42
इस पेट की खातिर 45
भारत माँ के चरणों में 47
आज उनकी याद में 49
नारी ने है नर को ढाला 50
याद कर रहा है आवाम 53
सारे जीवन संघर्षों से 54
वक्त की अजब कहानी है 55
रहे हमेशा खुश तू 56
उनका प्यार तेरे आंचल में 57
सांझ ढले जब 58
उसकी भक्ति का अजब है ढंग 59
विनती है माँ तुझसे 60
तेरी कृपा है निराली 61
प्रीत के गीत क्यूं 62
नियत भी आइने की 63
भंवरों ने कलियों पर 64
हार गई बिन प्यार 65
वरदानों की झोली भरकर 66
घूमेश्वर का जपते नाम 67
कैसे मनायें हम दिवाली 68
ममता तेरी कमाई 69

ग़ज़ल 71-84

ज़रूरी है यारो 71
कल का अख़बार हो गई 72
कर्तव्य सभी का 73
वही प्यार में मिला 74

Scanned with OKEN Scanner

मनमानी किस रोज मिटेगी पता नहीं	75
भिगो दिया आँचल	76
मेरे मन की रंगी चुनरिया	77
अब तो झलक दिखा जा	78
लग गई बंदिशें	79
तू मीत है हमारा	80
जो दे प्रकाश	81
देखे थे तसव्वुर में	82
शम्मां जला के दिल में	83
हो तमन्ना तेरी पूरी	84
कविताएं	**85-91**
डंडा बोलता है	86
बनो महान	88
अग्नि परीक्षा	89
अगली बार जब होली पे आऊँगा	90
वक्त की पुकार	91
छंद, मुक्तक, दोहा, कुण्डलियाँ	**92-112**
छंद	93
चतुष्पदी मुक्तक	94
संकल्प, जर, नववर्ष	99
मुक्तक, घूस	100
स्वयं फरिश्ते शीश झुकाएं, नहीं है इनसा दूजा, शपथ	101
लालबत्तियाँ, आरक्षण, ट्यूशन	102
नारी शक्ति, बेटी, महंगाई	103
पोस्टकार्ड, स्कूल, रोटी	104
हौंसले, जीवन बीमा, हेराफेरी	105
विश्व गुरू भारत बना	106
दोहे	107
मेरी मति गई है मारी	111
दाल का तड़का, तापमान, सुविधा शुल्क	112

लो आ गऔ दीयन को तैवार	114
महक बुन्देली की	115
जा मोबलिया नें	116
मोरे पैजनां गिरमीं धराय दइयो	117
सुख के दर्शन नइयां	118
पैलऊँ गैस मौये चानें	119
कितै जायें बुढ़ापें में	120
काय जू कैरी रई दिवारी पकरे कई जुआंरी	121
विनती सौ-सौ बार	121
काय टौंचना देती रातीं	122
बन के मोड़ा तुम न अइयो	123
लौट आव अब बुरौ न मानों	124
वही प्यार में मिला	125
मेरे मन की रंगी चुनरिया	125
पइसन सें हैरान	126
व्यंग्य	126
सनम संग होली	127
कवियों का टोटा	127

Scanned with OKEN Scanner

लेखक परिचय

श्याम प्रकाश श्रीवास्तव 'सनम'

नाम	:	श्याम प्रकाश श्रीवास्तव 'सनम'
पिता का नाम	:	स्व. श्री रामसेवक श्रीवास्तव
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला देवी श्रीवास्तव
पत्नी	:	श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव (नोटरी वकील)
जन्म तिथि	:	01 नवम्बर 1960
जन्म स्थान	:	दतिया (म.प्र.)
शिक्षा	:	बी.एससी. (गणित)
काव्य विधा	:	गीत, ग़ज़ल, कविता, दोहा, मुक्तक, बुन्देली
सम्प्रति	:	वरिष्ठ दूरसंचार तकनीशियन उत्तर मध्य रेलवे, डबरा
संपर्क सूत्र	:	श्याम बिहार कॉलोनी, रॉयल आई.टी.आई. (कैम्पस), अवध ग्रीन गार्डन के पीछे, ग्वालियर रोड, डबरा, जिला ग्वालियर पिन 475 110, मोबा. 9340028701, 9827379288 email : shyamsanamshrivastava@gmail.com
उपलब्धियाँ	:	आकाशवाणी एवं दूरदर्शन भोपाल से प्रसारण, पत्र-पत्रिकाओं, विशेष रेल संगम इलाहाबाद, रेल राजभाषा दिल्ली, रेल बुन्देल श्री झांसी, कायस्थ पत्रिका (भोपाल)
अध्यक्ष	:	श्री रामसेवक बुन्देली साहित्य एवं संस्कृति परिषद (पंजीकृत 19178/2015), डबरा
संयोजक	:	सामूहिक विवाह सेवा समिति उदितनगर, चुनार मिर्जापुर, उ.प्र. (2008)
महामंत्री	:	अखिल भारतीय कायस्थ महासभा इकाई डबरा (23 जनवरी 2015)
पूर्व अध्यक्ष	:	मुक्त मनीषा साहित्य एवं सांस्कृतिक समिति, डबरा (2010 से 2012)
सम्मान	:	गहोई वैश्य समाज डबरा ''साकेत सम्मान'' 2009
		अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जौरा मुरैना ''नेताजी सुभाषचन्द्र बोस'' सम्मान 2011
		महाप्रबन्धक राजभाषा पुरस्कार इलाहाबाद 2012
		अखिल भारतीय हिन्दी सेवी संस्थान इलाहाबाद ''राष्ट्र भाषा गौरव सम्मान'' 2013
		सर्वश्रेष्ठ कविता पुरस्कार भारत सरकार रेल मंत्रालय रेलवे बोर्ड ''कौन चाहता तुझको खोना'' रेल राजभाषा पत्रिका (अप्रैल-सितम्बर 2015)
		महाप्रबंधक राजभाषा पुरस्कार 2018 एवं मंडल रेल प्रबंधक राजभाषा पुरस्कार वर्ष 2011 से लगातार...

बुन्देली साहित्य एवं संस्कृति परिषद, डबरा (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner